05-07-2022

प्रसंस्करण में नवीनतम मशीनरी के अतिरिक्त भाप, बिजली और रसायनों की खपत के बारे में दी गईं जानकारियां

कानपुर, 4 जुलाई। मेसर्स सुनती गोल्डन शुगर, नाइजीरिया के तकनीकी कर्मचारियों के लिए छह सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स आज से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आयोजित किया गया। आनलाइन आयोजिक किये गये पाठ्यक्रमों में 30 से अधिक इंजीनियर, प्रौद्योगिकी विद और अन्य तकनीकी कर्मचारी शामिल हुए। नाइजीरिया एक चीनी की कमी वाला देश है जो आयात के माध्यम से अपनी 95 फीसदी से अधिक घरेलू आवश्यकता को पूरा करता है। देश में लगभग 17 लाख मीट्रिक टन चीनी का आयात करता है जो मुख्यता ब्राजील से आयात की जाती है। सितम्बर 2012 में नाइजीरिया सरकार ने कम से कम संभव समय के भीतर स्थानीय चीनी उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय चीनी विकास परिषद (एनएसडीसी) द्वारा विकसित एक रोडमैप, नीति दस्तावेज के रूप में, नाइजीरिया शुगर मास्टर प्लान (एनएसएमपी) को अपनाया। लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए

कार्यक्रम में शामिल निदेशक प्रो नरेन्द्र मोहन व अन्य।

नाइजीरिया गन्ना और चीनी उत्पादन क्षमता बढाने के लिए हर संभव प्रयास कर री है। इस प्रकार देश को चीनी संयंत्रों को दक्षता के साथ संचालित करने के लिए योग्य जनशक्ति की आवश्यकता है।

एनएसआई कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि हम उन्हे सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध प्रौद्योगिकी और मानक संचालन प्रक्रियों के बारे में ज्ञान प्रदान करने जा रहे है ताकि उत्पादन की लागत कम और अच्छी गुणवत्ता की चीनी का उत्पादन किया जा सके। उन्होंने संस्थान के संकाय चीनी के सुरक्षित प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बारे में जानकारियां देंगे। प्रतिभागियों को प्रसंस्करण के दौरान उपयोग की जाने वाली नवीनतम मशीनरी के अतिरिक्त भाप, बिजली और रसायनों की खपत को कम करने के उपायों के बारे में जानकारियां दी जाएगी। मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह उत्पादों के उपयोग में हाल में रुझानों के बारे में बताएंगे। डी. स्वेन ने भी जानकारियां दी।

शर्करा संस्थान में नाइजीरियन तकनीकी कर्मियों का प्रशिक्षण

रिफ्रेशर कोर्स में जानकारी देते निदेशक डॉ. नरेन्द्र मोहन।

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सोमवार को नाइजीरिया के चीनी उद्योग से संबद्ध तकनीकी कर्मियों के लिए छह सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स आरंभ किया गया। ऑनलाइन आयोजित इस रिफ्रेशर कोर्स में नाइजीरिया के मेसर्स सुनती गोल्डन शुगर एस्टेट के 30 से अधिक इंजीनियर, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ व अन्य तकनीकी कर्मचारी भाग ले रहे हैं।

नाइजीरिया चीनी की कमी वाला देश है, जो चीनी की 95 प्रतिशत से अधिक घरेलू आवश्यकता को आयात के माध्यम से पूरा करता है। यह देश लगभग 17 लाख मीट्रिक टन चीनी का आयात करता है, जो मुख्यतः ब्राजील से आयात की जाती है। नाइजीरिया ने इधर चीनी उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया है। इसी क्रम में चीनी मिलों को दक्षता के साथ संचालित करने के लिए तकनीकी कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के साथ संबंधित फर्म ने हाथ मिलाया है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन का कहना है कि हमने पहले भी नाइजीरियाई सरकार की संकाय प्रशिक्षण सहित एक चीनी संस्थान स्थापित करने में सहायता प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर प्रशिक्षण कोर्स के तहत हम उन्हें सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध प्रौद्योगिकियों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करने जा रहे हैं, ताकि वे कम लागत में अच्छी गुणवत्ता वाले चीनी का उत्पादन करने में सक्षम हो सकें। पाठयक्रम समन्वयक डी. स्वैन के अनुसार उन्हें चीनी के सुरक्षित प्रसंस्करण व पैकेजिंग के साथ ही मूल्यवर्धित सह उत्पादों के उपयोग से भी अवगत कराया जायेगा।

> छह सप्ताह तक ऑनलाइन मोड में चलेगा प्रक्षिक्षण कार्यक्रम

Refresher course inaugurated

Kanpur (PNS): While inaugurating the six-week refresher course for the technical staff of Sunti Golden Sugar Estate, Nigeria, on Monday Director of National Sugar Institute (NSI), Prof Narendra Mohan said Nigeria was a sugar deficient country which met its over 95 per cent domestic requirement through imports. He said the country imported about 1.7 million metric tonnes of sugar mainly from Brazil.

He said the Nigerian Government in September 2012 had adopted the Nigeria Sugar Master Plan (NSMP), developed by the National Sugar Development Council (NSDC) as a roadmap policy document to achieve self-sufficiency in local sugar production within the shortest possible time. He said to achieve the goals, Nigeria is making all out efforts to enhance sugarcane and sugar production capacities. He said thus the country needed qualified manpower to operate sugar plants efficiently.

He said for the purpose of making available qualified manpower, the institute had already provided assistance to Nigerian government in setting up a sugar institute, including training of faculty. He said there was a long way to go and thus the sugar factories in Nigeria were seeking support of NSI to train their technical staff so as to run the sugar plants with efficiency. He said the NSI was going to provide them knowledge about best available technologies and standard operating procedures so as to produce good quality sugar at a lower cost of production. He said the institute faculty shall also enrich their knowledge about safe processing and packaging of sugar as well.

Prof Mohan said the participants shall also be imparted knowledge about latest machinery and equipment used during processing and measures for reducing steam, power and chemical consumption. He said the institute shall also give them idea about recent trends in utilisation of byproducts for producing value added products. Junior Technical Officer (Sugar Tech) and more than 30 engineers, and other technical staff are participating in the course which was being conducted virtually.

नाइजीरिया के विशेषज्ञों को तकनीक दे रहा एनएसआई

अमृत विचार, कानपुर

पहल

- **संस्थान में छह सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से हुआ चालू**

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) नाइजीरिया के विशेषज्ञों को चीनी और गन्ना उत्पादन की तकनीक दे रहे हैं, जिससे उनके यहां चीनी की उपलब्धता व निर्भरता बढ़ाई जा सके। उसके लिए वहां की चीनी मिलों के विशेषज्ञों के लिए संस्थान में छह सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चालू किया गया।

निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि नाइजीरिया में 95 फीसद से अधिक चीनी आयात की जाती है, जिसके लिए ब्राजील पर निर्भर रहना पड़ता है। वहां की सरकार चीनी यंत्रों और तकनीक में दक्षता के लिए भारत से सहयोग ले रही है। संस्थान के विशेषज्ञ उन्हें न सिर्फ तकनीकी ज्ञान दे रहे हैं, बल्कि चीनी मिलों से पर्यावरण संरक्षण व सह उत्पादों को तैयार करने में मदद कर रहे हैं। शर्करा उद्योग को नए तरीके से विकसित किया जा रहा है। उसके लिए एनएसआई में वहां के विशेषज्ञों के लिए रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया गया है।

एनएसआई में छह सप्ताह के प्रशिक्षण कोर्स की शुरुआत

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में सोमवार से छह सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स की शुरुआत हो गई। इस ऑनलाइन कोर्स में विशेषज्ञ नाइजीरिया की कंपनी मेसर्स सुनती गोल्डन शुगर इस्टेट के तकनीकी स्टाफ को गुणवत्तापरक चीनी बनाने के गुर सिखाएंगे।

इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि नाइजीरिया में चीनी का उत्पादन बहुत कम होता है। आयात से यह 95 फीसदी घरेलू जरूरत पूरी करता है। एनएसआई नाइजीरिया में चीनी संस्थान स्थापित करने में भी मदद कर चुका है। अब कर्मचारियों को सुरक्षित प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बारे में जानकारी दी जाएगी ताकि वे अपने देश में जाकर अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर सकें। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर डी. स्वेन ने नवीनतम मशीनरी के अलावा भाप, बिजली और रसायनों की खपत कम करने के उपायों के बारे में जानकारी दी। (ब्यूरो)